जुलाई-सितम्बर 2023

CENTRAL RESERVE POLICE FORCE
RAPID ACTION FORCE

परित्राण

पूर्ण सुरक्षा

त्रै-मासिक ई-पत्रिका

प्रथम संस्करण

द्रुत कार्य बल

07 नवम्बर 2003 को द्रुत कार्य बल को ध्वज प्रदान करते हुए श्री लाल कृष्ण आडवाणी, तत्कालीन उप प्रधान मंत्री एवं गृह मंत्री, भारत सरकार

संदेश

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल भारत का सबसे गौरवशाली तथा विश्व का सबसे बड़ा अर्धसैनिक बल है। समय के साथ बल ने कई विशिष्ट घटक विकसित किए, जिसमें द्रुत कार्य बल का गठन भी शामिल है, जिसकी स्थापना 1992 में की गयी। वर्तमान में द्रुत कार्य बल 15 वाहिनियों के साथ राष्ट्र की कानून व्यवस्था प्रबंधन के क्षेत्र में अपना विशिष्ट योगदान प्रदान कर रहा है। साथ ही द्रुत कार्य बल लोक व्यवस्था अकादमी की औपचारिक स्थापना वर्ष 2019 मे की गयी, जो कि दंगा नियंत्रण एवं सार्वजनिक व्यवस्था प्रबंधन के क्षेत्र में देश का एकमात्र प्रशिक्षण संस्थान है। राष्ट्र में आकस्मिक उत्पन्न सार्वजनिक व्यवस्था की स्थिति को संभालने के लिए अकादमी वर्तमान में केन्द्रीय पुलिस बलों, राज्य पुलिस बलों को लोक व्यवस्था प्रबंधन के क्षेत्र में प्रवीणता प्रदान कर रहा है तथा समय–समय पर संयुक्त राष्ट्र मिशनों/कार्यों के लिये तैनात पुलिस ईकाइयों (एफपीयू) या सेना ईकाइयों को भी कानून व्यवस्था संबंधी प्रशिक्षण प्रदान करता है।

रैपिड एक्शन फोर्स के 31वी वर्षगांठ के शुभ अवसर पर और इस संस्थान द्वारा अपने प्रथम त्रैमासिक ई–बुलेटिन, "परित्राण" के अनावरण पर, मैं आर.ए.एफ. के सभी अधिकारियों और कार्मिकों को हार्दिक बधाई देता हूं।

मुझे पूर्ण विश्वास है, कि द्रुत कार्य बल लोक व्यवस्था अकादमी अपने आदर्श वाक्य "ज्ञानं परमं बलम्" की अवधारणा को साकार करते हुए लोक व्यवस्था प्रबंधन के क्षेत्र में उत्कृष्टता का केन्द्र के लक्ष्य को अतिशीघ्र प्राप्त कर राष्ट्र सेवा में अपना अमूल्य योगदान प्रदान करता रहेगा।

जय हिन्द।

(डॉ सुजॉय लाल थाउसेन) भा.पु.से.
महानिदेशक, के.रि.पु.बल

संदेश

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के विविध घटकों में से एक महत्वपूर्ण घटक द्रुत कार्य बल, दंगा या दंगा जैसी स्थिति से निपटने एवं प्रभावी कानून व सार्वजनिक व्यवस्था प्रबंधन के क्षेत्र में 07 अक्टूबर 1992 से ही "शून्य प्रतिक्रिया" समय की अवधारणा के साथ अपने आदर्श वाक्य "संवेदनशील पुलिसिंग के साथ मानवता की सेवा" में अग्रणी भूमिका का निर्वहन कर रहा है। वर्तमान में द्रुत कार्य बल 15 वाहिनियों के साथ लोक व्यवस्था प्रबंधन के क्षेत्र में राष्ट्र का एक मजबूत आधार स्तम्भ है। द्रुत कार्य बल लोक व्यवस्था अकादमी न केवल केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल बल्कि अन्य अर्द्धसैन्य बलों, राज्य पुलिस बलों, सेना एवं मित्र राष्ट्रों के पुलिस बलों को लोक व्यवस्था प्रबन्धन से संबंधित विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है।

द्रुत कार्य बल के 31वीं वर्षगाँठ के शुभ अवसर पर द्रुत कार्य बल लोक व्यवस्था अकादमी, मेरठ द्वारा प्रथम त्रैमासिक ई–बुलेटिन, "परित्राण" के विमोचन पर, मैं समर्पित आर.ए.एफ. परिवार के सभी सदस्यों को हार्दिक बधाई देता हूँ। यह उपलब्धि ज्ञान और विशेषज्ञता के प्रसार के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जिससे प्रशिक्षण में उत्कृष्टता के प्रतीक के रुप में संस्थान की स्थिति मजबूत होती है।

मुझे आशा ही नहीं बल्कि पूर्ण विश्वास है कि भविष्य में भी द्रुत कार्य बल दंगा विरोधी बल के रूप में अपनी उत्कृष्टता को कायम रखेगा और हर चुनौती से निपटने में अग्रणी रहेगा।

जय हिन्द ।

(वितुल कुमार), भा0 पु0 से0,
अपर महानिदेशक (परिचालन)

संदेश

मुझे रैपिड एक्शन फोर्स एकेडमी ऑफ पब्लिक ऑर्डर (रैपो) के उप.म.नि. एवं उनके टीम को उनके पहले त्रैमासिक ई–बुलेटिन के विमोचन पर बधाई देते हुए बेहद खुशी हो रही है। इसे रैपिड एक्शन फोर्स की 31 वीं वर्षगांठ पर जारी किया जा रहा है, यह महज एक संयोग है। आरएएफ अकादमी ने 2013 में मेरठ में 108 आरएएफ बटालियन के परिसर से संचालन शुरू कर दिया था। औपचारिक रूप से नवंबर 2019 में ही इस संस्थान को मंजूरी मिली है। इस संस्था ने तकरीबन एक दशक में आरएएफ, सीआरपीएफ, अन्य सीएपीएफ, राज्य पुलिस और अंतराष्ट्रीय पुलिस बलों के लगभग 19847 अधिकारियों और जवानों को सार्वजनिक व्यवस्था के विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षित किया है।

रैपो देश में अपनी तरह का एकमात्र संस्थान है जो सार्वजनिक व्यवस्था प्रबंधन में प्रशिक्षण प्रदान करता है। सीआरपीएफ बटालियन परंपरागत रूप से कानून और व्यवस्था बनाए रखने में राज्यों की सहायता करती है, वहीं आरएएफ सीआरपीएफ का विशेष दंगा–रोधी बल है, जो कि देश भर में बहुआयामी कानून और व्यवस्था के मुद्दों से निपटने में 30 से अधिक वर्षों के विशेष अनुभव के साथ तैनात है। रैपो तैनाती के क्षेत्र में उत्पन्न चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों से अवगत कराता है एवं इनसे निपटने का प्रशिक्षण प्रदान करता है। लोक व्यवस्था की प्रकृति में निरंतर परिवर्तन को केस स्टडीज के रूप में शामिल कर उन पर चर्चा की जाती है। बहुत जल्द परिदृश्य–आधारित प्रशिक्षण को भी प्रशिक्षण पद्धति में जोड़ा जाएगा। अकादमी स्व–शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए ऑनलाइन लघु प्रशिक्षण मॉड्यूल शुरू करने की भी योजना बना रही है। धीरे–धीरे लेकिन लगातार रैपो अपने को उत्कृष्ट् बनाने के लिए अग्रसर है। अकादमी प्रभावी परिणाम तैयार करने के लिए प्रत्येक प्रशिक्षु के अनुभव से सीखने की इच्छुक है, जिसने तैनाती क्षेत्र में ऐसी कई स्थितियों का सामना किया है।

आरएएफ की 31वीं वर्षगाँठ के अवसर पर, मैं इस परिवार के प्रत्येक सदस्य को हार्दिक शुभकामनाएं देना चाहती हूँ। हम सौहार्दपूर्ण और शांतिपूर्ण सह–अस्तित्व के लिए मिलकर काम करते रहेंगे।

जय हिन्द।

सुश्री ऐनी एब्राहम,
महानिरीक्षक, द्रुकाबल

संदेश

द्रुत कार्य बल के कार्मिकों को दंगा या दंगे जैसी स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने हेतु प्रशिक्षण प्रदान करने के लिये द्रुत कार्य बल लोक व्यवस्था अकादमी (रैपो) की स्थापना मेरठ में वर्ष 2013 में तदर्थ रूप में की गई जिसे वर्ष 2019 में गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा औपचारिक रूप से स्वीकृति प्रदान की गई।

भारत के इस विशिष्ट प्रशिक्षण संस्थान में केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, अन्य केन्द्रीय बलों, राज्य पुलिस बलों, सैन्य बलों, संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन हेतु तैनात होने वाले बलों के साथ–साथ 'वसुधैव कुटुम्बकम' के आदर्श वाक्य को चरितार्थ करते हुए मित्र राष्ट्र के बलों के कुल 19,807 कार्मिकों को प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है जिसमें लोक व्यवस्था प्रबंधन, भीड़ का मनोविज्ञान, भीड़ नियंत्रण, मानवाधिकार एवं अप्राणघातक हथियारों की सिखलाई शामिल है।

द्रुत कार्य बल के 31वें स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर महानिदेशक के.रि.पु. बल एवं महानिरीक्षक द्रुत कार्य बल की प्रेरणा व मार्गदर्शन से तैयार किए गए संस्थान के प्रथम त्रै–मासिक ई–बुलेटिन परित्राण के विमोचन के अवसर पर बल के सभी सदस्यों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

श्री मिथिलेश कुमार
उप महानिरीक्षक सह प्राचार्य

संपादक मंडल

संरक्षक
सुश्री ऐनी एब्राहम
महानिरीक्षक, द्रुत कार्य बल

मुख्य संपादक
श्री मिथिलेश कुमार
उप महानिरीक्षक सह प्राचार्य

संपादक
श्री श्याम लाल
उप कमांडेंट(प्रशिक्षण)

उप संपादक
श्री अमित कुमार, शौर्य चक्र
सहायक कमांडेंट (आर एंड डी)

सह सदस्य
निरीक्षक प्रमोद कुमार
स.उ.नि दीप चन्द्र कांडपाल
हवलदार नईमुद्दीन

अनुक्रमणिका

01 द्रुत कार्य बल - एक परिचय
द्रुत कार्य बल का तैनाती विवरण 02
03 द्रुत कार्य बल - विशेष उपकरण, हथियार एवं वाहन
लोक व्यवस्था अकादमी- एक दृष्टावलोकन 06
08 लोक व्यवस्था अकादमी में संचालित किये जाने वाले कोर्स
लोक व्यवस्था अकादमी में प्रशिक्षित कार्मिक 09
10 मणिपुर: नस्लीय हिंसा 2023
पंजाब : कौमी इन्साफ मोर्चा उपद्रव 11
12 नूह. साम्प्रदायिक हिंसा 2023
द्रुत कार्य बल आधुनिकीकरण 13
15 प्रशिक्षण गतिविधियाँ
विविध गतिविधियाँ 20

द्रुत कार्य बल

द्रुत कार्य बल के.रि.पु.बल का एक विशिष्ट घटक है । इस बल का सृजन 07 अक्टूबर, 1992 को 10 बटालियन के साथ किया गया । 01 जनवरी 2018 को के.रि.पु.बल की 05 अन्य बटालियन को द्रुत कार्य बल में पुनः परिवर्तित किया गया। द्रुत कार्य बल को दंगा तथा दंगें जैसी किसी भी स्थिति से निपटने, समाज के विभिन्न वर्गो में परस्पर आत्मविश्वास के माहौल को बढ़ावा देने के साथ-साथ देश में आंतरिक सुरक्षा ड्यूटी में योगदान देने के लिए तैनात किया जाता है ।

द्रुत कार्य बल 'शून्य प्रतिक्रिया समय' के मूल सिद्धांत पर कार्य करता है जो किसी भी आपदा/ दंगा की स्थितियों से तत्परता से निपटता है जिससे आम जनता में तत्काल सुरक्षा एवं विश्वास का माहौल व्याप्त हो जाता है।

इस बल को महामहिम राष्ट्रपति महोदय की ओर से देश के लिए की गई मात्र 11 वर्षो की शानदार सेवा व उपलब्धियों के उपरांत अपनी अलग पहचान के लिए विशेष ध्वज तत्कालीन उप प्रधानमंत्री श्री लाल कृष्ण आडवाणी जी के कर कमलों द्वारा दिनांक 7 अक्टूबर 2003 को प्रदान किया गया ।

आरएएफ सेक्टर के अधीन तीन रेंज तथा एक रैपो अकादमी आती हैं जिसका नेतृत्व उप महानिरीक्षक रैंक के अधिकारी द्वारा किया जाता है एवं कुल 15 द्रुत कार्य बल बटालियन आती हैं । प्रथम रेंज- नई दिल्ली में है जिसके अंतर्गत 83, 103, 104, 108 ,194 द्रुत कार्य बल वाहिनी हैं, द्वितीय रेंज-नवी मुंबई में है जिसके अंतर्गत 97, 99, 100, 102 एवं 105 द्रुत कार्य बल वाहिनी हैं और तृतीय रेंज-देहरादून में स्थित है जिसके अंतर्गत 91, 101, 106, 107, एवं 114 द्रुत कार्य बल वाहिनी है।

एक बटालियन में 4 कंपनी होती है जिसका कंपनी कमांडर उप कमांडेंट रैंक का अधिकारी होता है । प्रत्येक कंपनी में 02 प्लाटून होती हैं कमांडर सहायक कमांडेंट रैंक का अधिकारी होता है । प्रत्येक प्लाटून में 04 टीमें होती है जिसका टीम कमांडर निरीक्षक होता है । द्रुत कार्य बल की प्रत्येक कम्पनियों में एक महिला टीम होती है जो किसी भी महिला प्रर्दशनकारियों से प्रभावी ढंग से निपटने में पूर्णतः सक्षम होती है। द्रुत कार्य बल की तैनाती में कुल 03 स्कन्ध होते हैं- दंगा नियंत्रण स्कंध, अश्रु गैस स्कंध तथा अग्निशमन स्कंध है जो एक स्वतंत्र प्रहरी यूनिट के तौर पर सृजित की गई है। द्रुत कार्य बल के प्रशिक्षित महिला एवं पुरुषों के दल से सुसज्जित टीमों ने संयुक्त राष्ट्र संघ के शांति सेना दस्तों में भाग लेकर विभिन्न देशों जैसी-हैती, कोसोवो, लाईबेरिया आदि में शांति बहाली का सफलतापूर्वक बेहतरीन कार्य कर अंतर्राष्ट्रीय मंच पर अपने देश व इस बल का नाम गर्व से ऊँचा किया है।

द्रुत कार्य बल का उद्देश्य

- साम्प्रदायिक दंगा तथा दंगों जैसे स्थितियों से निपटना।
- आपातकालीन कानून और व्यवस्था, चुनाव इत्यादि में तैनाती।
- भविष्य में तैनाती के लिए जिम्मेदारी के क्षेत्र में संवेदनशील एवं अति संवेदनशील क्षेत्रों से परिचित होना।
- सामुदायिक पुलिसिंग के माध्यम से जनता से संपर्क।

वाहिनियों का प्राथमिक जिम्मेदारी क्षेत्र

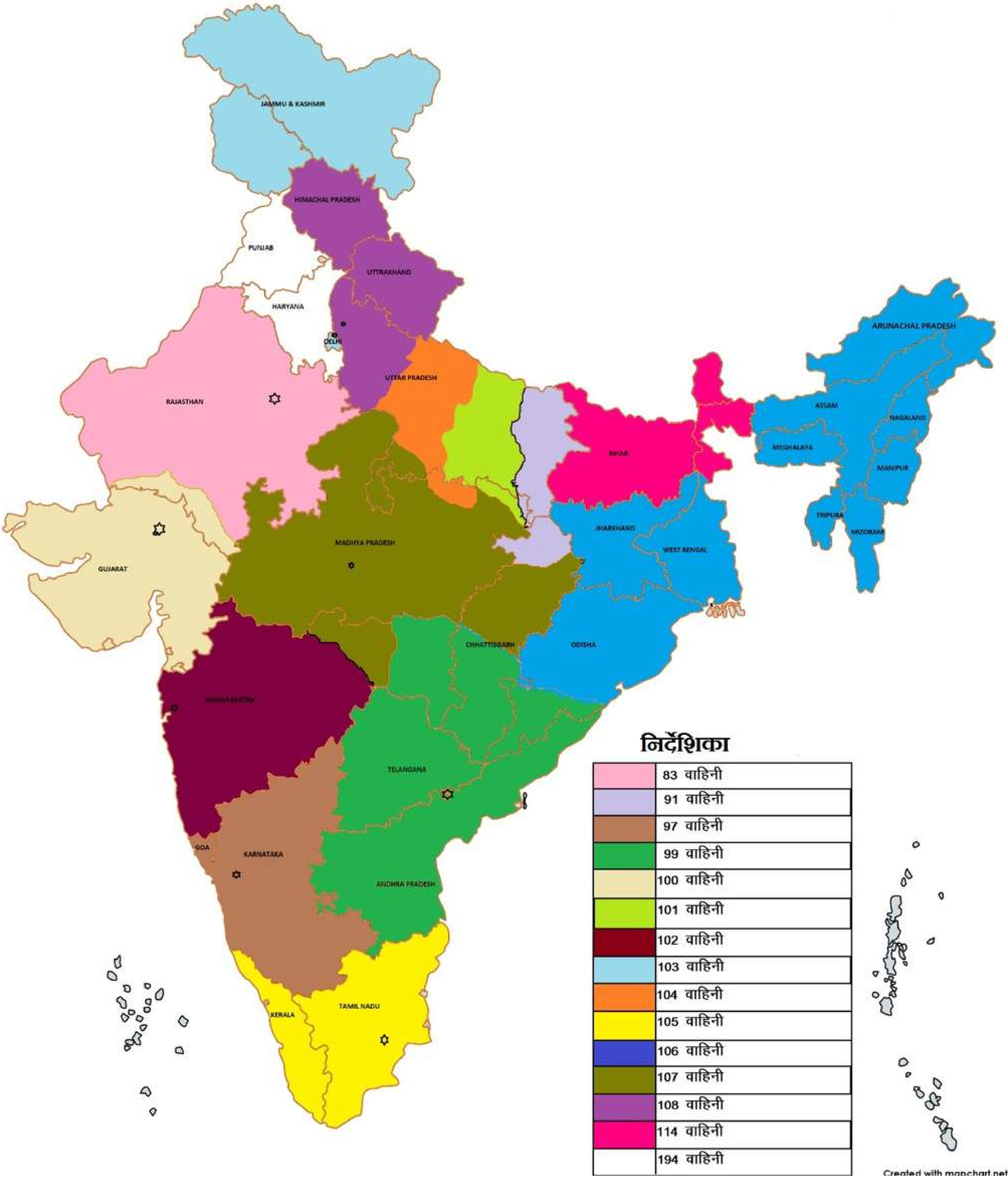

विशेष उपकरण

हेलमेट

रेस्पिरेटर/गैस मास्क

बॉडी प्रोटेक्टर

पॉलीकार्बोनेट शील्ड

बॉडी वोर्न कैमरा

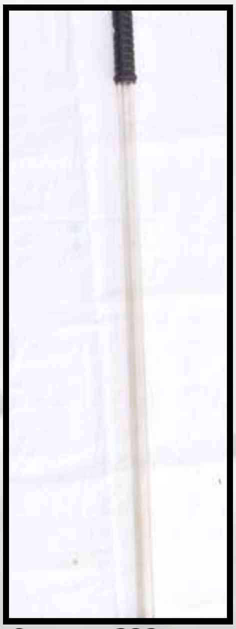

पॉलीकार्बोनेट शील्ड

टी-बैटन

शॉक बैटन

अप्राणघातक हथियार

गैस गन

एंटी रायट गन

मल्टी बैरल लॉन्चर

पंप एक्शन गन

मल्टी शैल लॉन्चर

विशेष वाहन

वज्र वाहन (हल्का)

वज्र वाहन (मध्यम)

वाटर केनन (वरूण)

अग्निशमन वाहन

रसोई वाहन

द्रुत कार्य बल लोक व्यवस्था अकादमी (रैपो)

द्रुत कार्य बल लोक व्यवस्था अकादमी की स्थापना 10 नवम्बर 2013 में तदर्थ (adhoc) प्रशिक्षण संस्थान के रूप में हुई। दिनाँक 01 नवम्बर 2019 को गृह मंत्रालय,भारत सरकार द्वारा इसे औपचारिक मंजूरी प्रदान की गई। कानून - व्यवस्था / लोक व्यवस्था प्रबंधन सभी राज्य पुलिस और केंद्रीय बलों के लिए एक प्रमुख चुनौती रहा है। लेकिन देश में ऐसा कोई प्रशिक्षण संस्थान नहीं था जो भीड़ नियंत्रण/प्रबंधन, प्रभावी सुरक्षात्मक गियर, उपकरण, कम घातक उपकरण, अनुसंधान एवं विकास कार्य के विभिन्न तकनीकों पर विशेष प्रशिक्षण प्रदान करता हो साथ ही ऐसी कोई संस्था नहीं थी जो संयुक्त राष्ट्र मिशनों/कार्यों के लिए तैनात पुलिस इकाइयों (एफ.पी.यू) या सेना इकाइयों को कानून-व्यवस्था सम्बन्धी प्रशिक्षण प्रदान करती हो। द्रुत कार्य बल और विभिन्न राज्य पुलिस, अन्य केंद्रीय बलों और अन्य सहयोगी एजेंसियों की इन जरूरतों को पूरा करने के लिए भारत सरकार द्वारा द्रुत कार्य बल लोक व्यवस्था अकादमी (रैपो) की स्थापना की गई। यह संस्था द्रुत कार्य बल, अन्य केंद्रीय बल, राज्य पुलिस, भारतीय सेना, संयुक्त राष्ट्र मिशन टुकड़ियों और यहां तक कि विदेशों के पुलिस कर्मियों को भी दंगा नियंत्रण के बारे में प्रशिक्षण प्रदान करती है।

प्रशिक्षुओं को शारीरिक मजबूती, हथियार प्रशिक्षण, दंगा नियंत्रण, भीड़ को तितर-बितर करने पर प्रशिक्षको का प्रशिक्षण, राहत और बचाव अभियान, प्राथमिक चिकित्सा और अग्निशमन, मानवाधिकार संवेदनशीलता, आपदा प्रबंधन और भीड़ नियंत्रण और लैंगिक संवेदीकरण आदि विषयों पर विशेष प्रशिक्षण दिया जाता है। स्थापना के अल्पकाल में ही इस संस्थान द्वारा द्रुत कार्य बल के साथ अन्य सुरक्षा बलों के कुल 19,807 अधिकारियों एवं कार्मिकों को लोक व्यवस्था प्रबंधन से संबंधित विभिन्न प्रशिक्षण प्रदान किया है।

ध्येय

- द्रुत कार्य बल लोक व्यवस्था अकादमी को उत्कृष्टता का केंद्र के रूप में स्थापित करना।
- केंद्रीय बल, राज्य पुलिस बलों के प्रशिक्षण आवश्यकताएँ को पूरा करना।
- नोडल एजेंसी के रूप में संयुक्त राष्ट्र टुकड़ियों को प्रशिक्षण देना।
- कानून एवं व्यवस्था से संबंधित चुनौतियों का नियमित अध्ययन एवं विश्लेषण करना।
- दंगा नियंत्रण वाहनों, उपकरणों, सुरक्षात्मक गियर आदि में विश्व स्तर पर उभरती प्रौद्योगिकियों की उपयोगिता सम्बन्धी सुझाव देना।

उद्देश्य

- लोक व्यवस्था प्रबंधन से संबंधित मुद्दों से निपटने के लिए द्रुत कार्य बल / केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, अन्य केंद्रीय सुरक्षा बल, राज्य पुलिस और अंतर्राष्ट्रीय पुलिस बलों को प्रशिक्षण प्रदान करना

लक्ष्य

- द्रुत कार्य बल लोक व्यवस्था अकादमी को सार्वजनिक व्यवस्था प्रबंधन (पीओएम) और अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों के लिए 'उत्कृष्टता केंद्र' के रूप में विकसित करना।
- दंगा नियंत्रण कार्यों में प्रयोग किये जाने वाले कम घातक हथियार और आपदा बचाव एवं राहत में उपयोग किए जाने वाले उपकरणों पर प्रशिक्षण प्रदान करना।
- द्रुत कार्य बल कर्मियों, अन्य केंद्रीय बल, राज्य पुलिस और अंतर्राष्ट्रीय पुलिस की क्षमता निर्माण के लिए एक नोडल अभिकरण के रूप में कार्य करना।

प्रशिक्षण विवरण

- द्रुत कार्य बल कन्वर्शन प्रशिक्षण।
- द्रुत कार्य बल रिफ्रेसर प्रशिक्षण।
- द्रुत कार्य बल दंगा नियंत्रण एवं विशेष उपकरण प्रशिक्षण।
- दंगा नियंत्रण एवं सार्वजनिक व्यवस्था प्रबंधन प्रशिक्षण।
- भीड़ नियंत्रण पर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण (ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर्स)।
- सार्वजनिक व्यवस्था प्रबंधन के महत्वपूर्ण विषयों पर कार्यशाला।
- मेडिकल फर्स्ट रेस्पोंडर (एम.एफ.आर) प्रशिक्षण
- जेंडर संवेदीकरण पर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण (ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर्स)।
- मानवाधिकार एवं संवेदनशीलता।
- राज्य पुलिस के लिए सार्वजनिक व्यवस्था प्रबंधन।
- राज्य पुलिस तथा अन्य केंद्रीय बलों के लिए दंगा नियंत्रण प्रशिक्षण।
- अंतर्राष्ट्रीय पुलिस के लिए सार्वजनिक व्यवस्था प्रबंधन प्रशिक्षण।
- संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन के तहत तैनात टीम का प्रशिक्षण।

प्रशिक्षित कार्मिक

कुल कोर्स	यू.एन. मिशन	अंतर्राष्ट्रीय पुलिस एवं अन्य सी.ए.पी.एफ
209	849	3227

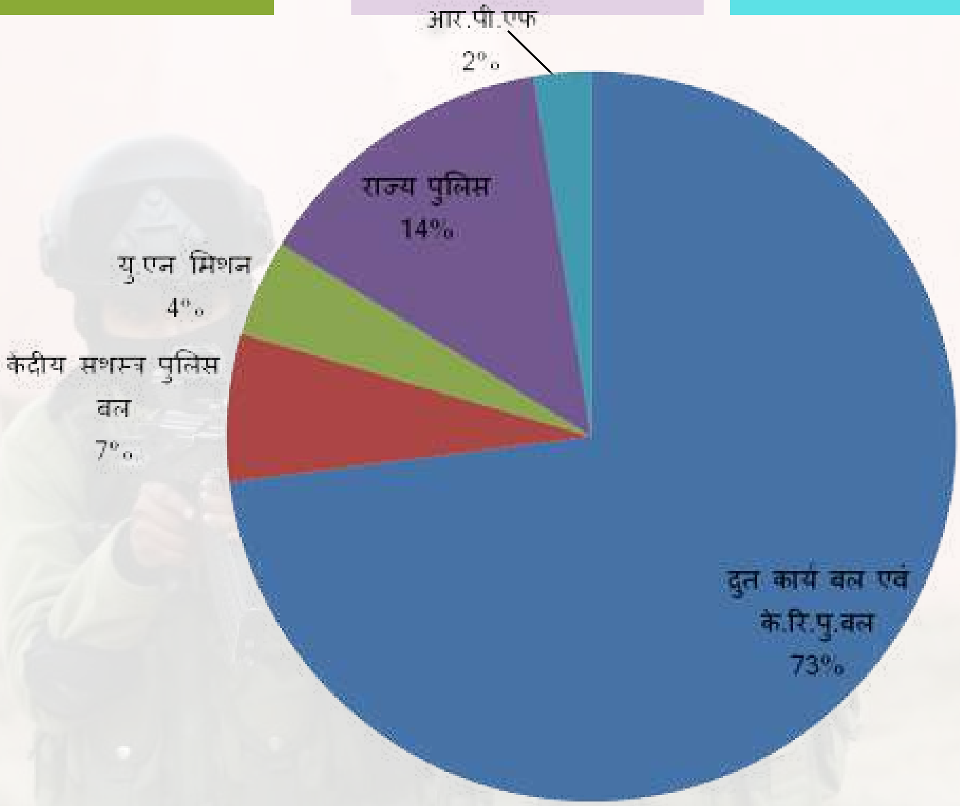

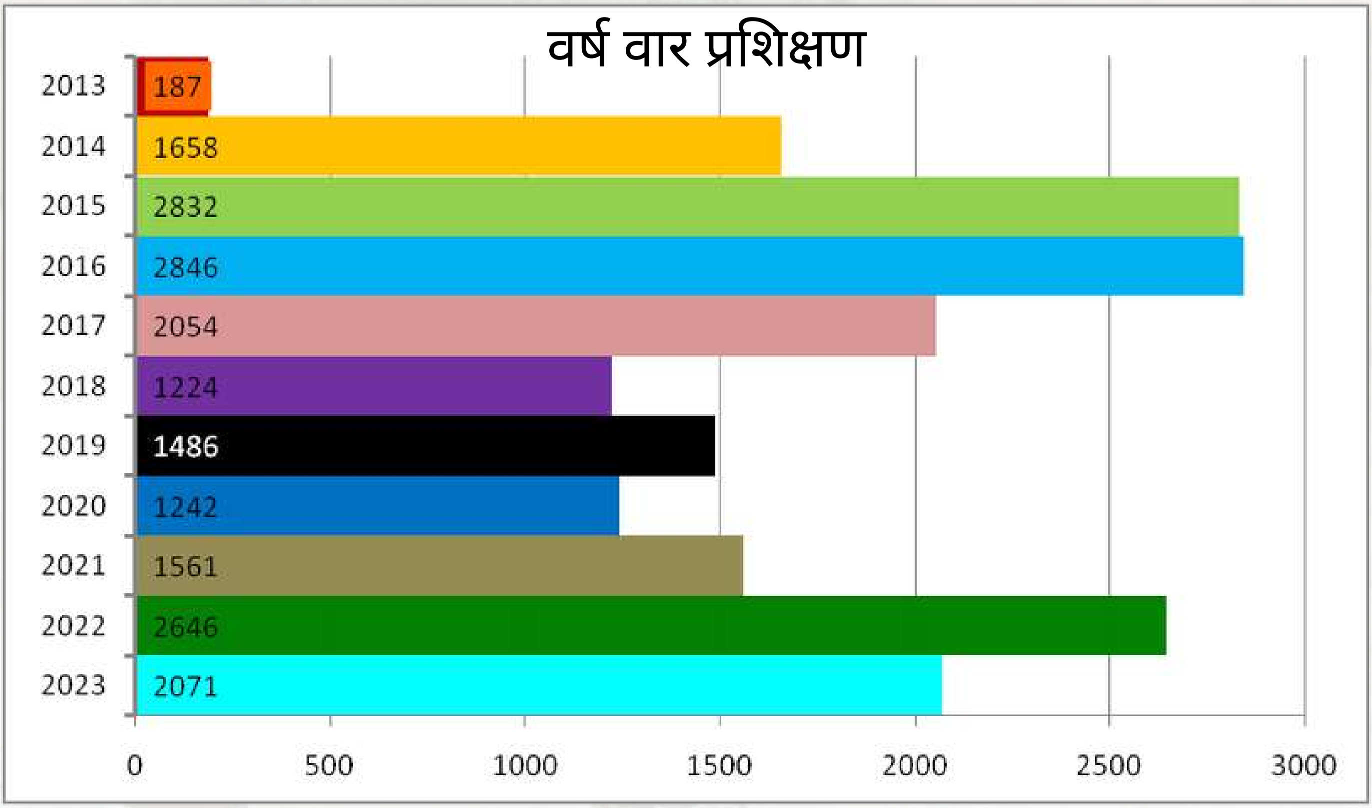

मणिपुर : नस्लीय हिंसा 2023

श्री चन्द्र शेखर, द्वितीय कमान अधिकारी
103 वाहिनी द्रु०का०बल

मणिपुर में कानून व्यवस्था के छिन्न भिन्न हो जाने के उपरांत 04 और 05 मई 2023 को द्रु०का०बल की दस टुकड़ियों को हवाई मार्ग से मणिपुर भेजा गया। उस दौरान मणिपुर में कानून व्यवस्था कि स्थिति बहुत खराब हो चुकी थी। सड़कों पर केवल हिंसक भीड़ को वैध-अवैध हथियारों, लाठी-डंडे, लोहे की रोड, खुखरी तथा चारों ओर जगह-जगह जलते हुए घर और वाहन नजर आ रहे थे। द्रु०का०बल ने अपनी नर्धारित कार्यप्रणाली तथा शासनादेश का अनुसरण करते हुए न्यूनतम बल का ही उपयोग करके जिसमें वज्र वाहन और जवानों द्वारा हिंसक भीड़ पर दागे गए आंसू गैस और कही-कही लाठी का उपयोग भी शामिल था उग्र भीड़ को शांत किया और कानून व्यवस्था को पुनः स्थापित करने में अहम भूमिका का निर्वहन किया जिसमें चुराचांदपुर, विष्णुपुर, थौबाल, इंफाल पूर्व, इंफाल पश्चिम,कांगपोकपी आदि जिले शामिल हैं। द्रु०का०बल ने कानून व्यवस्था बहाल करने के साथ-साथ चिकित्सा व मानवीय सहायता प्रदान करना, विस्थापितों को शरण देना और हिंसा से प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थानों तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसने स्थानीय समुदायों के साथ विश्वास और सहयोग भी बनाया जो उस समय की आवश्यकता थी। द्रु०का०बल के अधिकारी खुफिया जानकारी इकट्ठा करने, स्थानीय माहौल को समझने के लिए विभिन्न समुदाय के नेताओं और हितधारकों के साथ लगातार सम्पर्क बनाए तथा विभिन्न सरकारी एजेंसियों के साथ-साथ स्थानीय पुलिस प्रशासन के साथ भी बेहतर तालमेल बनाए रखा जिसका फायदा कानून व्यवस्था बहाली में मिला।

हिंसक भीड़ में महिला समूह हमेशा आगे रहता हैं और ऐसे में द्रु०का०बल इन महिलाओं के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए अपनी महिला टुकड़ी का भरपूर उपयोग कर के स्थानीय महिला समूहों यानी मीरा पैबिस से प्रभावशाली ढंग से निपटा जा रहा है।

मणिपुर में तैनाती के दौरान द्रु०का०बल को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है जैसे सड़कों की खुदाई/ गड्ढ़े करके सड़क अवरुद्ध करना जिससे बल की आवाजाही बाधित होती है, बार-बार बंद/हड़ताल का आह्वान, ड्यूटी की प्रकृति पूरी तरह से द्रु०का०बल की कार्यशैली से अलग है, पहाड़ी इलाका, विद्रोहियों से भरा हुआ क्षेत्र, भाषा की बाधा, स्थानीय प्रशासन द्वारा द्रु०का०बल को प्रदान किये गए शिविरों में बुनियादी सुविधाओं की अत्यधिक कमी, इलाके की भौगोलिक, राजनैतिक, सांस्कृतिक आदि जानकारी का ना होना, इन्टरनेट बंद होने के कारण उचित संचार के अन्य कोई साधन का उपलब्ध ना होना, स्थानीय पुलिस के साथ उचित समन्वय/संचार की कमी, ड्यूटी के लिए बड़े आकार के भारी वाहन (बस) प्रदान किए जाते हैं जिसके परिणामस्वरूप अभियानों में देरी होती है। द्रु०का०बल के रूप में हम कानून और व्यवस्था की भूमिका में रहते है परन्तु प्रति-विद्रोही अभियानों में तैनाती के लिए एके-47 जैसे अत्याधुनिक हथियारों की कमी और जवानों की सुरक्षा के लिए बीपी जैकेट और बीपी हेलमेट की अत्यंत आवश्यकता महसूस की गई। मणिपुर में तैनाती के पहले स्थानीय लोगों को द्रु०का०बल की रणनीति के बारे में कोई जानकारी नहीं थी, क्योंकि यह बल मणिपुर के लोगो के लिए एकदम नया फोर्स है। विभिन्न दंगा-रोधी उपकरणों से सुसज्जित नीले पैटर्न की वर्दी और साथ ही द्रु०का०बल की चुस्त और तेज कार्यवाही का आक्रामक भीड़ पर मनोवैज्ञानिक प्रभाव पड़ता है। यद्यपि द्रु०का०बल की भूमिका मणिपुर में किसी संकटमोचक बल से कम नहीं आंकी जा सकती है परंतु जैसा सबको ज्ञात है कि द्रु०का०बल एक विशेष दंगा निरोधक दल है तथा मणिपुर में स्थानीय लोगों द्वारा अत्याधुनिक हथियारों के उपयोग को द्रु०का०बल के ऊपर नकारा नहीं जा सकता हैं ऐसे में नीति निर्धारण करने वाले प्राधिकार को मणिपुर में द्रु०का०बल को लंबे समय तक तैनाती पर विवेचना करने का सुझाव है।

पंजाब: कौमी इंसाफ मोर्चा उपद्रव

श्री पी. के. सिंह,
कमाण्डेंट, 83 वाहिनी द्रु०का०बल

दिनांक 23 फरवरी 2023 को अजनाला प्रकरण में खालिस्तानी समर्थक अमृतपाल सिंह के द्वारा पुलिस थाने पर हमला कर अपने साथियों को छुड़वाने से शुरू हुई हिंसा से पंजाब राज्य की कानून व्यवस्था बिगड़ गई जिसके कारण 83 बटा. द्रुत कार्य बल की चारो समवायों को तैनात किया गया। डी/83 समवाय को कानून व्यवस्था डयूटी हेतु पुलिस थाना मक्खू, जिला फिरोजपुर, पंजाब के अधीन तैनात किया गया था। बठिंडा-अमृतसर राष्ट्रीय राजमार्ग 54 पर हरिके बैराज से निकलने वाली राजस्थान फीडर व इंदिरा गाँधी नहर पर स्थित बंगाली वाला ब्रिज बठिंडा अमृतसर जाने के लिए एक मात्र रास्ता है जिस पर पहले से ही खालिस्तानी अमृतपाल सिंह के 250-300 समर्थक पिछले 3-4 दिन से हाईवे को जाम कर आन्दोलन कर रहे थे। वहाँ पर आन्दोलनकारियों द्वारा ट्रेक्टर-ट्रालियॉ एवं तम्बू गाड़कर राष्ट्रीय राजमार्ग को बंद कर दिया गया था, जिनको हटाने के लिए वहॉ के स्थानीय पुलिस प्रशासन द्वारा अत्यधिक प्रयास किया गया। दिनांक 21 मार्च 2023 को स्थानीय प्रशासन द्वारा बातचीत के अन्तिम प्रयास किए गए साथ ही कार्यवाही की चेतावनी भी दी गई। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए डी/83 बटा. समवाय को दिनांक 22 मार्च 2023 को 0035 बजे बंगाली वाला ब्रिज भटिण्डा-अमृतसर राष्ट्रीय राजमार्ग 54 पर तैनात किया गया। कार्यवाही स्थल पर पुलिस प्रशासन के पुलिस उपमहानिरीक्षक, जिला अधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, पुलिस अधीक्षक तथा डी.एस.पी, फिरोजपुर उपस्थित थे, लेकिन आन्दोलनकारियों द्वारा प्रशासन की बातचीत को न मानते हुए उग्र होकर प्रशासन के अधिकारियों एवं पुलिस बल के उपर हमला कर दिया जिसमें स्थानीय पुलिस के 01 डी.एस.पी एवं 02 जवान गंभीर रूप से घायल हो गए।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए कार्यकारी मजिस्ट्रेट द्वारा रात्री के समय ही बल प्रयोग की अनुमति दी गई एवं द्रुत कार्य बल को आन्दोलनकारियों को पीछे हटानें एवं स्थिति को काबू करने हेतु निर्देशित किया गया।श्रीराम शर्मा, सहायक कमाण्डेंट (समवाय अधिकारी डी/83) एवं श्री रामजस यादव, सहायक कमाण्डेंट (प्लाटून कमाण्डर) द्वारा बिना समय गंवाये समवाय के जवानों को कम से कम बल का प्रयोग करते हुए तुंरत कार्यवाही करने हेतु आदेशित किया। प्रारम्भ में जवानों द्वारा पीछे से ही आन्दोलनकारियों पर अश्रु गैस के शैल फायर किए और आगे बढ़ गए। प्रर्दशनकारियों द्वारा अधिक उग्र होने पर समवाय के जवानों द्वारा एक साथ 15 अश्रु गैस के गोले छोड़े गए, फलस्वरूप आन्दोलनकारी पीछे हटने को मजबूर हो गए। जिससे जवानों को अश्रु गैस के लम्बी दूरी के शैल फायर करने की जगह मिल गई परिणामस्वरूप आन्दोलनकारियों के पास पीछे हटने के अलावा कोई रास्ता नही था। धरनास्थल छोडने के उपरांत थोडी देर बाद आन्दोलनकारी पुनः खेतों में एक साथ जुटने लगे, जहॉ लम्बी दूरी के अश्रु गैस के गोले दागे गए जिससे स्थानीय पुलिस प्रशासन को भी आत्मविश्वास मिला और 17 प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया गया एवं धरना स्थल से विभिन्न प्रकार के 86 वाहन जब्त किए गए। इस प्रकार द्रुत कार्य बल की मानक संचलन प्रकिया के मध्यनजर रखते हुए कम से कम बल का प्रयोग के साथ स्थिति को काबू कर राष्ट्रीय राजमार्ग को मात्र 10-15 मिनट में ही परिचालनिक परिपक्वता दर्शाते हुए त्वरित कार्यवाही कर खोला गया। कार्यवाही के दौरान डी/83 समवाय द्वारा अश्रु गैस शैल-61, अश्रु ग्रेनेड-36, रबर बुलेट-01 का इस्तेमाल किया गया। तैनात समवाय कार्यवाही के उपरांत दिनांक 22 मार्च 2023 को 1100 बजे सुरक्षित बेस कैम्प में पहुंच गई। इस कार्यवाही हेतु स्थानीय प्रशासन द्वारा द्रुत कार्य बल की अत्यधिक सराहना की गयी एवं समवाय के अधिकारियों और जवानों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किये गए।

नूह : साम्प्रदायिक हिंसा 2023

श्री आर. के. सिंह,
कमाण्डेंट, 194 वाहिनी द्रु०का०बल

31 जुलाई 2023 एक सामान्य दिन था और किसी ने सोचा भी नहीं था कि मिलेनियम सिटी गुड़गांव के पास एक छोटा सा शहर नूँह अगले कुछ दिनों में उपद्रव के कारण सुर्खियों में रहेगा। नूँह, हरियाणा के पांच संवेदनशील जिलों में से एक है। इस जिले की जनसांख्यिकी, राज्य के अन्य सभी जिलों से लगभग भिन्न है जहां 20 प्रतिशत हिंदू और 79 प्रतिशत मुस्लिम आबादी है। नूंह में साम्प्रदायिक दंगा और तनाव कोई इतिहास नहीं रहा है।

वार्षिक ब्रजमंडल यात्रा नूँह के नलहर महादेव मंदिर से शुरू होती है और जिले के पुन्हाना ब्लॉक के श्रृंगार गाँव में झिरकेश्वर महादेव और राधा कृष्ण मंदिर तक जाती है। इस साल नूँह में खेड़ा मोड़ के पास कुछ मुस्लिम युवकों द्वारा यात्रा रोक दी गई और पथराव किया गया, जिसके बाद नूँह में सांप्रदायिक झड़पें भड़क उठीं। परिणामस्वरूप दो पुलिसकर्मियों समेत चार नागरिकों की मौत हो गई।

उसी दिन तुरंत द्रुत कार्य बल और सीएपीएफ की कंपनियों को भेजा गया और अगले दिन देश के विभिन्न हिस्सों से कई कंपनियों को हवाई मार्ग से लोकर नूंह तथा उसके आस-पास क्षेत्रों में तैनात किया गया। इस दौरान 194 द्रुत कार्य बल पहली प्रतिक्रियाकर्ता थी, जिसकी तीन कंपनियां दिल्ली से भेजी गईं।

उस रात ही 194 द्रुत कार्य बल की तीन टुकड़ियां तैनात कर दी गई एवं स्थिति को नियंत्रण में कर लिया गया, हालांकि आने वाले दिनों में विभिन्न समूहों के बीच तनाव बना हुआ था। सीएपीएफ की कुल 22 कंपनियां कई दिनों तक तैनात रहीं। कुछ दिनों तक इंटरनेट बंद रहा और शहर में कर्फ्यू लगा रहा। कुछ दिनों बाद शांति कायम हो गई, लेकिन स्थिति 28 अगस्त को बाद ही सामान्य हो पायी, क्योंकि उस दिन बची हुई अभिषेक यात्रा का प्रतीकात्मक रूप से समापन किया गया।

आजकल झड़पे होना या साम्प्रदायिक तनाव भड़कना कोई असामान्य बात नहीं है लेकिन इसके लिए राज्य पुलिस तथा स्थानीय प्रशासन को चैकन्ना रहना चाहिए। प्रत्याशा और खतरे की धारणा का पेशेवर मूल्यांकन किया जाना चाहिए और दंगों एवं सार्वजनिक अव्यवस्था से निपटने के लिए एक आकस्मिक योजना भी होनी चाहिए।

यह भी माना जाता है कि नूँह में हाल ही में देश के उत्तरी भाग में सक्रिय इस्लामी चरमपंथियों के लिए एक सुरक्षित आश्रय स्थल विकसित किया है। इसके लिए खुफिया एजेंसियों के व्यापक नेटवर्क की आवश्यकता थी। यह विफलता प्रशासन के लिए काफी नुकसानदेह साबित हुई, क्योंकि हिंसा के कुछ ही घंटों के भीतर यह तथ्य सामने आने लगे कि यह झड़प सुनियोजित थी, अनायास नहीं।

धार्मिक यात्राओं और त्याहारों के दौरान सौहार्दपूर्ण स्थिति में सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने, नागरिकों की अपेक्षाएँ होती है और शांति, सौहार्द मानवीय मूल्यों के प्रति सम्मान का पर्याय हैं। ऐसे कई कारक हैं जैसे बड़ी संख्या में लोगों के शामिल होने से भीड़ को नियंत्रित करना मुश्किल हो जाता है। पुलिस अधिकारियों के कौशल और क्षमताओं के अलावा, सार्वजनिक व्यवस्था के प्रभावी प्रबंधन के लिए विभिन्न कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच अच्छे समन्वय की भी आवश्यकता होती है। यह समन्वय सामूहिक प्रदर्शनों में शामिल जोखिमों को साझा और लोगों को सुरक्षित रखने के लिए मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता पर आधारित होना चाहिए, तभी सार्वजनिक व्यवस्था और शांति कायम रहेगी।

आधुनिकीकरण : द्रुत कार्य बल

मितांशू चौधरी
सहायक कमाण्डेंट, आरएएफ सेक्टर

1980 के दशक में सामने आई विभिन्न अशांत घटनाओं के मद्देनजर, एक समर्पित दंगा विरोधी बल की स्थापना की तत्काल आवश्यकता उभरी और तदानुसार, वर्ष 1992 से लेकर आज तक की अपनी 31 वर्ष की सेवा में, नागरिक अशांति के लिए त्वरित और प्रभावी प्रतिक्रिया की बढ़ती आवश्यकता को पहचानते हुए केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की कुल 10 बटालियनों को विशेष प्रशिक्षण, विशेष कम घातक हथियार एवं अनोखी संरचना प्रदान करके द्रुत कार्य बल का गठन किया गया। यह महत्वपूर्ण कदम कानून प्रवर्तन में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ, जिसने समुदायों की सुरक्षा के लिए हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता को आकार दिया।

शुरुआत में द्रुत कार्य बल को कम घातक सिद्धांत पर बुनियादी उपकरणों से लैस किया गया था जैसे लाठी, ढाल, अनोखी नीली पोशाक, आँसू धुआं ग्रेनेड, गोला, कम घातक बंदूकें आदि । दंगों या दंगा जैसी स्थितियों से निपटने के लिए दंगा-रोधी वाहन (वज्र), वाटर कैनन (वरुण) जैसे विशेष वाहन भी जोड़े गए ।
बल का आधुनिकीकरण एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है जो सुरक्षा और रक्षा क्षेत्र में नए और उन्नत तकनीकी उपायों का अनुसरण करती है। यह प्रक्रिया न केवल विभिन्न सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने में मदद करती है, बल्कि बल को अद्वितीय और प्रभावी बनाने में भी सहारा प्रदान करती है।

अपनी स्थापना के बाद से, द्रुत कार्य बल ने दंगा- रोधी उपकरणों के आधुनिकीकरण में अभूतपूर्व प्रगति की है। उन्नत भीड़ नियंत्रण उपायों, सुरक्षात्मक गियर और गैर- घातक हथियार विकसित करने के लिए अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों का लाभ उठाया गया है। द्रुत कार्य बल चुनौतीपूर्ण दंगा-रोधी वाहन और एर्गोनोमिक महिला और पुरुष उपकरण और व्यक्तिगत बॉडी प्रोटेक्टर किट जैसे फुल बॉडी प्रोटेक्टर, हेलमेट, शील्ड, लाठी, सुरक्षा दस्ताने आदि विकसित करने में सीएसआईआर और डीआरडीओ जैसे अत्याधुनिक संगठनों का सहयोग ले रहा है। जिसके फलस्वरुप बेहतर भीड़ प्रबंधन, कम प्रतिक्रिया समय और अधिकारियों और जनता दोनों के लिए बढ़ी हुई सुरक्षा के साथ परिणाम ठोस और शानदार रहे हैं।
वर्तमान समय में भारत बदलाव के दौर से गुज़र रहा है, सामरिक नीतियों में आंतरिक सुरक्षा क्षेत्र का महत्त्व बढ़ता ही जा रहा है। परंपरागत और अप्रचलित कम घातक हथियारों को आधुनिक कम घातक हथियारों से बदलने की आवश्यकता तो है हीए साथ में यह भी आवश्यक है कि बल को बदलते वक्त की चुनौतियों के अनुरूप बनाया जाए। इसी क्रम में मंत्रालय अब स्वदेश निर्मित अस्त्र.शस्त्रों पर ध्यान केन्द्रित कर रहा है और इस कार्य में स्वदेशी निर्माण को बढ़ावा दिया जा रहा है ।

भविष्य को देखते हुए द्रुत कार्य बल आधुनिकीकरण के लिए अपनी योजनाओं का अनावरण करने के लिए उत्साहित हैं। नवाचार और तैयारियों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता अटूट बनी हुई है। भीड़ के व्यवहार और मनोविज्ञान में बदलाव और मणिपुर जातीय संघर्ष, पंजाब के मुद्दा आधारित संघर्ष, नूंह बिहार ओडिशा सांप्रदायिक दंगे और अग्निपथ योजना के खिलाफ हिंसक विरोध जैसी घटनाओं को देखते हुए, द्रुत कार्य बल बख्तरबंद वाहनों, संघर्ष क्षेत्रों के डिजिटलीकरण, और अधिक एर्गोनोमिक बसें, मोबाइल शस्त्रागार, निजी नेटवर्क, ड्रोन आधारित निगरानी और व्यक्तिगत सुरक्षा के उपकरण आदि को प्रतिस्थापित करने की योजना बना रहा है । यह कम घातक दृष्टिकोण और श्रेणीबद्ध प्रतिक्रिया के सुनहरे सिद्धांत को ध्यान में रखते हुए किया जाएगा । इससे द्रुत कार्य बल अधिक सुसज्जित, प्रासंगिक, संचालनात्मक रूप से सक्षम और मानवीय बल बन जाएगा। आरएएफ न्यूनतम बल प्रयोग के साथ आम लोगों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है ।
अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों और रणनीतिक पहलों के एकीकरण के साथ, हमारा लक्ष्य अपनी क्षमताओं को और भी अधिक ऊंचाइयों तक ले जाना है। ये दूरदर्शी योजनाएँ हमारे समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हमारे दृढ़ समर्पण को दर्शाती हैं। ।

सरकार ने "सीएपीएफ के लिए आधुनिकीकरण योजना- III" योजना की निरंतरता में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) के लिए आधुनिकीकरण योजना-IV योजना को मंजूरी दे दी है। आधुनिकीकरण योजना-IV 01.02.2022 से 31.03.2026 तक चलेगी। यह उनकी परिचालन आवश्यकता के अनुसार आधुनिक अत्याधुनिक हथियारों और उपकरणों से लैस करेगी। इसके अलावा, सीएपीएफ को उन्नत आईटी समाधान भी प्रदान किए जाएंगे।

जब हम 1992 से लेकर आज तक की अपनी यात्रा पर विचार करते हैं, तो हम उस प्रगति से प्रेरित होते हैं जो हमने हासिल की है और जिन चुनौतियों पर हमने विजय प्राप्त की है। हम एक साथ मिलकर आत्मविश्वास के साथ भविष्य का सामना करने के लिए तैयार हैं, यह जानते हुए कि हम किसी भी स्थिति का डटकर मुकाबला करने के लिए तैयार हैं। बल के आधुनिकीकरण की प्रक्रिया से नहीं केवल बल को बल्कि देश को भी विश्व समर्थ स्थिति में लाने में मदद मिलती है। यह आत्मनिर्भर और सुरक्षित भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है ।

प्रशिक्षण गतिविधियाँ

द्रुत कार्य बल कनवर्जन

द्रुत कार्य बल रिफ्रेशर

द्रुत कार्य बल दंगा नियंत्रण

हथियार एवं विशेष उपकरण

प्रशिक्षण गतिविधियाँ

प्राथमिक चिकित्सा

के.रि.पु.बल
लैंगिक संवेदीकरण

के.रि.पु.बल
यू.एन.मिशन

पार्लियामेंट ड्यूटी ग्रुप

प्रशिक्षण गतिविधियाँ

स्टडी टूर प्रशिक्षु राजपत्रित अधिकारी

के.रि.पु.बल अकादमी, गुरूग्राम

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी

यू.एन.मिशन सी.सु.बल

प्रशिक्षण गतिविधियाँ

भारत-तिब्बत सीमा पुलिस

रेलवे सुरक्षा बल

बिहार पुलिस

उत्तर प्रदेश पुलिस

प्रशिक्षण गतिविधियाँ

हरियाणा पुलिस

मेघालय पुलिस

जम्मू व कश्मीर पुलिस

राजस्थान पुलिस

प्रशिक्षण गतिविधियाँ

दिल्ली पुलिस

भारतीय सेना

म्यांमार पुलिस

जिम्बाब्वे पुलिस

महानिदेशक, के.रि.पु.बल

महानिरीक्षक, द्रुत कार्य बल

टीम रैपो

बाएं से दाएं

श्री अमित कुमार, सहा. कमा., श्री विवेक देशवाल, सहा. कमा., श्री एन मरेनदिखोन मरेनमाई, उप. कमा., श्री श्याम लाल, उप. कमा., श्री मिथिलेश कुमार, उप महानिरीक्षक, श्री ओम प्रकाश टोकस, कमांडेंट, श्री ज़िया उल हक़, उप. कमा., श्री प्रमोद कुमार, सहा. कमा., श्री राज कुमार, सहा. कमा.

त्रै-मासिक ई-पत्रिका

CENTRAL RESERVE POLICE FORCE
RAPID ACTION FORCE

द्रुत कार्य बल

लोक व्यवस्था अकादमी (रैपो) , मेरठ, उत्तर प्रदेश